श्रीः

श्रीमते रामानुजाय नमः

श्रीमते निगमान्तमहादेशिकाय नमः

श्रीरङ्गरामानुजमहादेशिकैः (श्रीमुष्णं आण्डवन्) अनुगृहीतं

॥ श्री कृष्ण तारकम् ॥

This document has been prepared by

Sunder Kidāmbi

with the blessings of

श्री रङ्गरामानुज महादेशिकन्

His Holiness śrīmad āṇḍavan śrīraṅgam

श्रीः

श्रीमते रामानुजाय नमः

श्रीमते निगमान्तमहादेशिकाय नमः

॥ श्री कृष्ण तारकम् ॥

अखिल सदन अमृतमथन असुरदमन कृष्ण
दहरमधुर सदय हृदय हिततमपद कृष्ण।
विजितमदन विबुधधिषण विनतपदद कृष्ण
ऋणमिह नुद श्रुतिशतनुत हृदि मम वस कृष्ण॥ **1** ॥

उरगशयन तुरगवदन गरुडगमन कृष्ण
कनकवसन कमलनयन कुगतिशमन कृष्ण।
सुगुणभवन नरकमथन मुदितभजन कृष्ण
ऋणमिह नुद श्रुतिशतनुत हृदि मम वस कृष्ण॥ **2** ॥

मनुजपहित वरगतियुत दमितदनुज कृष्ण
नतजनधन नगवरधर भवभयहर कृष्ण।
प्रकृतिपरम चरमशरण चरणसुखद कृष्ण
ऋणमिह नुद श्रुतिशतनुत हृदि मम वस कृष्ण॥ **3** ॥

मुमुक्षुणा मया कृष्ण सतारं रुदितं सदा।
ऋणबन्ध भवेभ्यश्च मां पालय सुहृद्भव॥ **4** ॥

॥ इति श्री कृष्ण तारकं समाप्तम् ॥